भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2437

(जिसका उत्तर सोमवार 4 अगस्त, 2025 /13 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है)

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव

2437. श्री तंगेला उदय श्रीनिवास:

श्री श्रीभरत मतुकुमिल्ली:

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या सरकार ने भारतीय शेयर बाजार में हाल के उतार-चढ़ाव से निवेशकों पर पड़ने वाले प्रभाव के संबंध में कोई सर्वेक्षण/अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण पिछले छह महीनों के दौरान घरेलू और विदेशी निवेशकों को हुए कुल नुकसान का क्षेत्रवार और श्रेणीवार ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले बारह महीनों के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा निकाली गई कुल राशि माह-वार कितनी है;

(घ) सरकार द्वारा शेयर बाजार को स्थिर करने और निवेशकों, विशेषकर खुदरा और छोटे निवेशकों की चिंताओं को दूर करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;

(ङ) क्या सरकार ने शेयर बाजार में जोखिमों और निवेश रणनीतियों के बारे में नागरिकों को शिक्षित करने के लिए कोई जागरूकता पहल या वित्तीय साक्षरता अभियान चलाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों की सुरक्षा बढ़ाने और भारतीय शेयर बाजार में विश्वास बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): शेयर बाजार की गतिविधियाँ निवेशकों के अनुभवों के साथ अन्य कारकों का भी परिणाम होती हैं, जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ, वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएँ शामिल हो सकती हैं जो विदेशी पूंजी प्रवाह, घरेलू वृहद आर्थिक मानदंडों और कॉर्पोरेट कार्य-निष्पादन को प्रभावित करती हैं।

भारतीय शेयर बाजारों ने दीर्घकालिक निवेश के लिए लगातार सकारात्मक प्रदर्शन किया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, भारतीय बेंचमार्क सूचकांक निफ्टी 50 और सेंसेक्स में क्रमशः 5.34% और 5.11% की वृद्धि हुई है। अखिल भारतीय बाजार पूंजीकरण भी दिनांक 31 मार्च, 2024 के 386.98 ट्रिलियन रुपये से 6.9% बढ़कर दिनांक 31 मार्च, 2025 तक 413.76 ट्रिलियन रुपये हो गया है।

निवेशकों के नुकसान की सीमा का निर्धारण करने के लिए करोड़ों निवेशकों द्वारा किए गए व्यापार और संव्यवहार का सूक्ष्म विश्लेषण आवश्यक है। यह डेटा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा आसानी से बनाए या समेकित नहीं किया जाता है।

(ग): पिछले 12 महीनों में एफपीआई निवेश का मासिक रुझान इस प्रकार है:

(राशि करोड़ रुपये में)

माह	**कुल***
जुलाई-24	**48,796**
अगस्त-24	**25,493**
सितंबर-24	**93,538**
अक्टूबर-24	**-96,358**
नवंबर-24	**-21,444**
दिसम्बर-24	**25,938**
जनवरी-25	**-77,211**
फरवरी-25	**-24,301**
मार्च-25	**32,981**
अप्रैल-25	**-20,190**
मई-25	**30,950**
जून-25	**-7,563**
कुल	**10,629**

** डेटा इक्विटी, ऋण, हाइब्रिड और म्यूचुअल फंड सेगमेंट में एफपीआई निवल निवेश से संबंधित है.*

(घ) से (च): भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), ने बाजार स्थिरता को प्रभावित करने और शेयर बाजार में अस्थिरता से निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए विनियामक और निगरानी फ्रेमवर्क स्थापित किए हैं।

1. यह बाजार की सत्यनिष्ठा को बढ़ाने और निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिभूति बाजारों के रुझानों की नियमित रूप से निगरानी करता है। निगरानी प्रणालियाँ उन प्रतिभूतियों की कीमतों में असामान्य वृद्धि को रोकने के लिए स्थापित की जाती हैं जो कंपनियों के मूल सिद्धांतों के अनुरूप नहीं होती हैं।

2. सेबी की निगरानी प्रणाली द्वारा उत्पन्न अलर्ट तथा उपरोक्त विनियमों के गैर-अनुपालन की शिकायतों को सेबी द्वारा बाजार आसूचना (इंटेलिजेंस) के लिए इनपुट के रूप में माना जाता है।

3. ट्रेडिंग सदस्यों को स्क्रिप-विशिष्ट ऐहतियाती संदेश प्रसारित करने का भी आदेश दिया गया है ताकि निवेशकों में जागरूकता बढ़ाई जा सके और उन्हें सावधान किया जा सके।
4. सेबी, शेयर बाजारों और डिपॉजिटरी के साथ मिलकर, देश के विभिन्न हिस्सों में नियमित रूप से निवेशक शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम भी चलाता है। ये निःशुल्क कार्यक्रम, अन्य बातों के साथ-

साथ, बुनियादी निवेश सिद्धांतों, उत्पाद की विशेषताओं, जोखिमों, निवेशकों के अधिकारों और उत्तरदायित्वों, निवेश घोटालों की सामान्य अभिलक्षण आदि जैसे विभिन्न विषयों को कवर करते हैं।

5. वित्त वर्ष 2024-25 में, सेबी ने एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअज फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) और एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) के साथ मिलकर 36 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के 724 जिलों में निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें लगभग 32 लाख निवेशक शामिल हुए। सेबी ने शैक्षिक संसाधनों, निवेश संबंधी जानकारी प्रदान करने वाला एक मोबाइल ऐप सारथी लॉन्च किया है।
6. वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) खंड से जुड़े जोखिमों और अस्थिरता के संबंध में निवेशक संरक्षण और बाजार स्थिरता बढ़ाने के लिए विभिन्न उपाय किए गए हैं।

***